



Hardik khatri



Pranjal Khatri

Model: Love-Horoscope

Order No: 121766801

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
13/08/1996 :	जन्म तिथि	: 08/05/1998
मंगलवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 20:30:00 :	जन्म समय	: 22:55:00 घंटे
घटी 35:37:30 :	जन्म समय(घटी)	: 42:11:30 घटी
India :	देश	: India
Ahmedabad :	स्थान	: Sirohi
23:03:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:53:00 उत्तर
72:40:00 पूर्व :	रेखांश	: 72:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:39:20 :	स्थानिक संस्कार	: -00:38:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:14:59 :	सूर्योदय	: 05:56:52
19:12:50 :	सूर्यास्त	: 19:12:49
23:48:40 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:49:54
कुम्भ :	लग्न	: धनु
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
कर्क :	राशि	: कन्या
चन्द्र :	राशि-स्वामी	: बुध
आश्लेषा :	नक्षत्र	: हस्त
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
1 :	चरण	: 4
वरियान :	योग	: वज्र
चतुष्पाद :	करण	: कौलव
डी-डीगेश्वर :	जन्म नामाक्षर	: ठ-ठुमकी
सिंह :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
जलचर :	वश्य	: मानव
मार्जार :	योनि	: महिष
राक्षस :	गण	: देव
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
श्वान :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

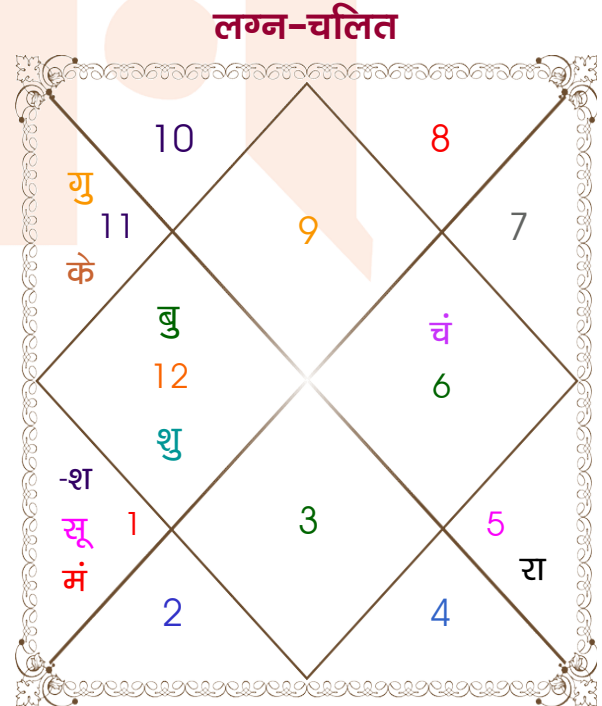
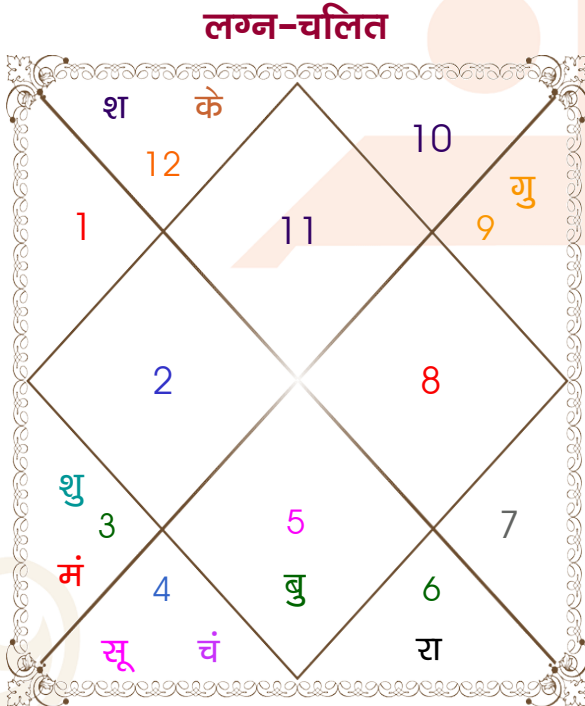
विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 13वर्ष 0मा 10दि	22:52:23	कुंभ	लग्न	धनु	14:01:08	चन्द्र 0वर्ष 7मा 30दि
शुक्र	27:18:49	कर्क	सूर्य	मेष	24:05:10	गुरु
24/08/2016	19:46:53	कर्क	चंद्र	कन्या	22:26:44	07/01/2024
24/08/2036	18:43:40	मिथु	मंगल	मेष	25:04:49	07/01/2040
शुक्र 24/12/2019	23:24:30	सिंह	बुध	मीन	27:55:38	गुरु 24/02/2026
सूर्य 24/12/2020	14:41:44	धनु व	गुरु	कुंभ	27:09:03	शनि 06/09/2028
चन्द्र 24/08/2022	11:45:18	मिथु	शुक्र	मीन	11:43:41	बुध 13/12/2030
मंगल 25/10/2023	13:02:26	मीन व	शनि	मेष	02:39:53	केतु 19/11/2031
राहु 24/10/2026	16:40:44	कन्या व	राहु व	सिंह	13:07:47	शुक्र 20/07/2034
गुरु 24/06/2029	16:40:44	मीन व	केतु व	कुंभ	13:07:47	सूर्य 08/05/2035
शनि 24/08/2032	08:02:27	मक व	हर्ष	मक	18:52:44	चन्द्र 06/09/2036
बुध 25/06/2035	01:52:55	मक व	नेप व	मक	08:19:35	मंगल 13/08/2037
केतु 24/08/2036	06:31:32	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:22:58	राहु 07/01/2040

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : माध्य

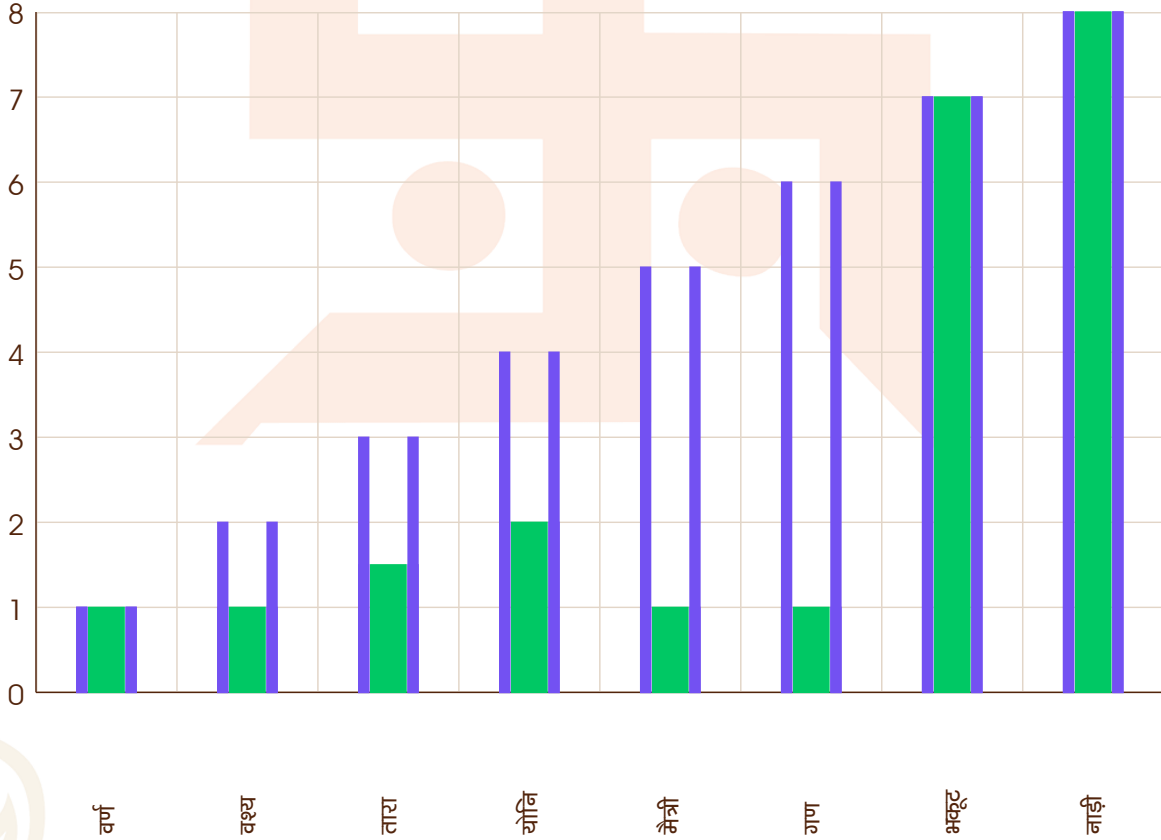
23:48:40 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:54



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : 22.5 / 36



अष्टकूट मिलान

Hardik khatri का वर्ग श्वान है तथा Pranjal Khatri का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hardik khatri और Pranjal Khatri का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

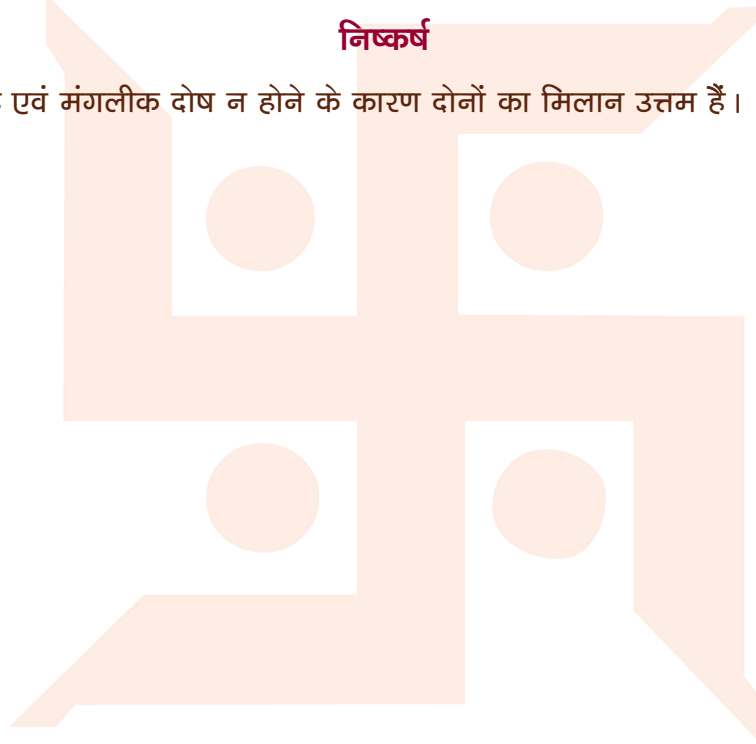
Hardik khatri मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Pranjal Khatri मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Hardik khatri तथा Pranjal Khatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Hardik khatri का वर्ण ब्राह्मण तथा Pranjal Khatri का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Pranjal Khatri सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Pranjal Khatri मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

Hardik khatri का वश्य जलचर है एवं Pranjal Khatri का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Pranjal Khatri अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Hardik khatri उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Hardik khatri की तारा साधक तथा Pranjal Khatri की तारा प्रत्यरि है। Pranjal Khatri की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Hardik khatri एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Pranjal Khatri का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Pranjal Khatri के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Hardik khatri अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Hardik khatri की योनि मार्जार है तथा Pranjal Khatri की योनि महिष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि

दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Hardik khatri से Pranjal Khatri का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु Pranjal Khatri से Hardik khatri का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में Hardik khatri का राशि स्वामी Pranjal Khatri के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में Hardik khatri तो Pranjal Khatri को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर Pranjal Khatri उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

गण

Hardik khatri का गण राक्षस तथा Pranjal Khatri का गण देव है। अर्थात् Pranjal Khatri का गण Hardik khatri के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Hardik khatri निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Hardik khatri का Pranjal Khatri के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Pranjal Khatri हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

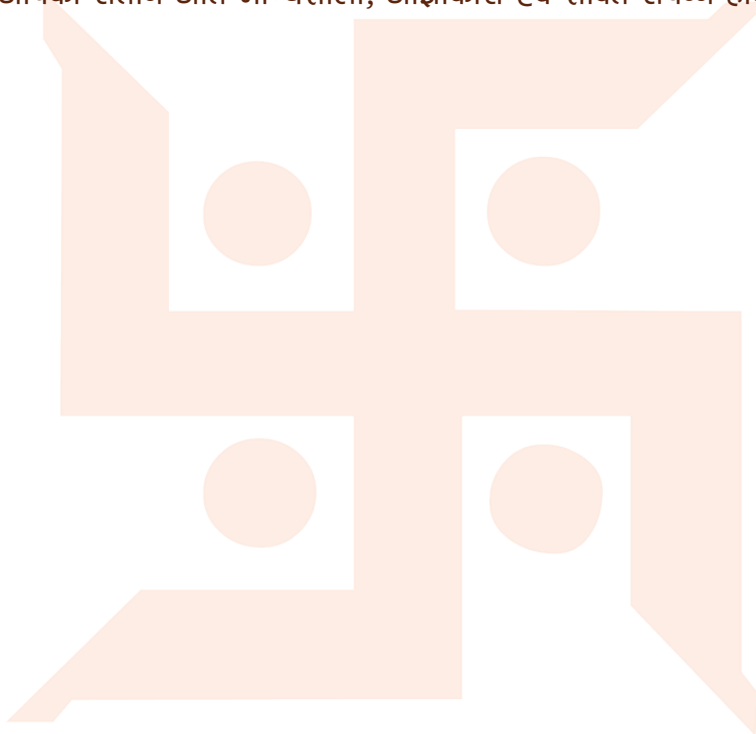
भकूट

Hardik khatri से Pranjal Khatri की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Pranjal Khatri से Hardik khatri की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Hardik khatri अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा

अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Pranjal Khatri सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Hardik khatri की नाड़ी अन्त्य है तथा Pranjal Khatri की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Hardik khatri की अन्त्य नाड़ी तथा Pranjal Khatri की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



मेलापक फलित

स्वभाव

Hardik khatri की जन्म राशि कर्क तथा Pranjal Khatri की जन्मराशि भूमितत्व युक्त कन्या राशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं भूमि तत्व के मध्य समता तथा मित्रता का भाव रहता है। अतः Hardik khatri और Pranjal Khatri के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे जीवन में मधुरता बनी रहेगी। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

Hardik khatri की जन्म राशि का स्वामी चन्द्र तथा Pranjal Khatri की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रु राशि में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर मतभेद उत्पन्न होंगे तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे आपस में विवाद एवं वैमनस्य होगा जिसका प्रभाव सुखी दाम्पत्य जीवन पर होगा। अतः यदि Hardik khatri और Pranjal Khatri परस्पर सामंजस्य एवं शांति पूर्वक समस्याओं का समाधान करें तो उपरोक्त प्रभावों में कमी हो सकती है।

Hardik khatri की जन्म राशि तथा Pranjal Khatri की जन्म राशि एक दूसरे की राशि से तृतीय एकादश में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग, आकर्षण एवं सहानुभूति का भाव रहेगा जिससे अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक अपने कार्य कलापों को पूर्ण करने में समर्थ होंगे।

Hardik khatri का वश्य जलचर तथा Pranjal Khatri का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर की स्वाभाविक विषमता के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता दृष्टि गोचर होगी। साथ ही एक दूसरे को काम भावनाओं में प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे मानसिक परेशानी रहेगी।

Hardik khatri का वर्ण ब्राह्मण तथा Pranjal Khatri का वर्ण वैश्य है। अतः Hardik khatri की रुचि शैक्षणिक धार्मिक तथा ज्योतिष संबन्धी विषयों पर रहेगी लेकिन Pranjal Khatri की प्रवृत्ति धनार्जन में अधिक होगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी।

धन

Hardik khatri और Pranjal Khatri की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Hardik khatri और Pranjal Khatri की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Pranjal Khatri एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Hardik khatri की नाड़ी अन्त्य तथा Pranjal Khatri की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण दोनों शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तथा अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। जिससे दाम्पत्य जीवन में समृद्धि तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का दुष्प्रभाव भी किसी के स्वास्थ्य पर नहीं रहेगा जिससे उत्तम दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा तथा सुख एवं आनंद पूर्वक Hardik khatri और Pranjal Khatri अपना जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

Hardik khatri और Pranjal Khatri का संतति के दृष्टि कोण से मिलान शुभ रहेगा। उनको यथा समय संतति की प्राप्ति होगी। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल ही रहेगा। Hardik khatri और Pranjal Khatri की संतति में पुत्रों की अधिकता तथा कन्या संतति की न्यूनता रहेगी।

Pranjal Khatri को प्रसव काल में किंचित समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः गर्भावस्था में Pranjal Khatri को अपना पूर्ण ध्यान तथा सुरक्षा रखनी चाहिए तथा समय समय पर डाक्टरी जांच इत्यादि नियमित रूप से करवानी चाहिए। यदि Pranjal Khatri इस प्रकार से स्वयं का पूर्ण ध्यान रखेंगी तो परेशानियों में न्यूनता आ सकती है जिससे कष्टों में अल्पता आएगी।

Hardik khatri और Pranjal Khatri के बच्चे व्यवहार कुशल एवं आकर्षक होंगे तथा माता पिता के लिए पूर्ण आज्ञाकारी रहेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं परिश्रम से इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। अतः सुदंर सुसंस्कृत एवं बुद्धिमान संतति से गौरवान्वित होकर Hardik khatri और Pranjal Khatri का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Pranjal Khatri के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी तरफ से Pranjal Khatri किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। Pranjal Khatri के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में

मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से Pranjal Khatri को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा Pranjal Khatri को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से Pranjal Khatri के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार Pranjal Khatri के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

Hardik khatri तथा उनकी सास के संबंधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Hardik khatri के संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Hardik khatri के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Hardik khatri के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता बनी रहेगी।

लग्न फल

Hardik khatri

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद के प्रथम चरण में कुंभ लग्न, मेष नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण में हुआ था। समन्वित जन्म लग्नादि आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि आपका जीवन सुखद रहेगा। ऐसी आशा है कि आप पर जन्म लग्न का प्रभाव उत्तम प्रकार पड़ेगा तथा आप प्रभावित होकर प्रतिरक्षा की सेवा में उच्च स्तर तक उन्नति कर सकते हैं।

आप में सभी प्रकार के नेतृत्व करने के गुण-विद्यमान हैं। परंतु आपका हृदय अर्थात् आपका स्वभाव गर्म नहीं है। आपका आचरण प्रतिकूल नहीं है। आप में मानवता है तथा आप सदैव दूसरों के लिए सहायक हैं। आप स्वभाव से वाचाल हैं। आप अपने शिष्यों पर अच्छा प्रभाव रखते हो एवं आप अपने सगे संबंधियों एवं मित्र से युक्त रह कर प्रसन्न रहते हो।

आप एक विश्वासी और आलस्य से मुक्त रहते हो। आप अत्यंत संवेदनशील एवं शीघ्रता पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने वाले हो। आप अपना दायित्व सुव्यवस्थित ढंग से शीघ्रता पूर्वक निभाते हैं। आप सपत्नीक अपना अधिकार एवं संपत्ति को ध्यान में रख कर धन उर्पाजन हेतु प्रयत्नशील रहते हो। आप धनी बनने में सफल हो जाओगे।

आप संवेदनशील विषयों के प्रति रुचिवान रहते हो। प्रस्तुत छवि के अनुसार आप स्वभाव से एक दम परम्परागत प्राणी लगते हो। आप विवेकशील एवं स्वच्छ हृदय के प्राणी हों। आप किसी भी तथ्य की भली प्रकार गहराई से अध्ययन करते हो एवं नवीनतम प्रक्रिया तथा प्रभावशाली ढंग से उस कार्य को संचालित करते हो। आप में एक अच्छे नेतृत्व के गुण विद्यमान हैं। आप इस स्रोत से क्या लाभ या हानि होगा। इसका परीक्षण कर सकते हों।

आप अपनी पत्नी के साथ मात्र संभोगात्मक भावना से ही व्यवहार नहीं करते परंतु सर्वथा अपनी पत्नी की अभिव्यक्ति को समझने एवं उसकी राय को महत्त्व देने के लिए तत्पर रहते हो।

आप एक सुव्यवस्थित पारिवारिक जीवन बिताना चाहते हैं तथा पत्नी एवं बच्चों के सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए बहुत अधिक मात्रा में सुव्यवस्था करते हो।

आप अपने कार्य व्यवसाय हेतु संबंधित कार्य यथा भाषा कार्य, धर्म दर्शन शास्त्र, ज्योतिषीय, शिक्षण कार्य, वकालत एवं राजनीति कार्य में से किसी कार्य को अपनी इच्छानुसार चयन कर सकते हो।

किसी भी प्रकार से आपका स्वास्थ्य सदैव उत्तम रहेगा तथा आप इससे किसी भी प्रकार से आपत्तिजनक नहीं समझते हो। आप उत्तम स्वास्थ्य बनाए रखेंगे। परंतु जब आपकी आयु अधिक हो जाएगी तब ऐसा हो सकता है कि जॉनडिस, रक्तचाप, हृदय संबंधी दिक्कतों से आप अद्योगति को प्राप्त हो जाएं। इन रोगादिक कारणों से यह सुनिश्चित नहीं है कि आप प्रभावित हो जाएं। परंतु यह विचारणीय है कि इन संभावनाओं के प्रति सुरक्षात्मक कदम समय

से पूर्व उठाना चाहिए।

अतएव कुंभ राशीय प्रभाव के अनुसार बार-बार सर्दी जुकाम, अथवा शीत जनित प्रभाव के रोगादि से संभलकर रहना चाहिए तथा इन बिंदुओं पर चिकित्सक की राय सदैव लेते रहना चाहिए। आपको सर्वथा विश्रान्ति ग्रहण भी करते रहना चाहिए।

आप उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति के उच्च स्तरीय साहसी व्यक्ति हैं। आप अनेक मित्रों से भली प्रकार संबंधित रहते हैं तथा आपके लिए उनका संबंध उत्तम है। अतएव आपमें ऐसी आदत नहीं है कि आप अन्यो के साथ किसी भी प्रकार का भ्रामक आचरण करें। आप सुविख्यात हैं। परंतु आपको सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि कुछ व्यक्ति आपको जन सामान्य के साथ अधिक संलग्न समझकर आपको विरुद्ध अविश्वासनीयता का प्रदर्शन कर सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में उत्तम एवं महत्वपूर्ण रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु हर दशा में नारंगी रंग, हरा एवं ब्लू रंग अव्यवहरणीय है।

Pranjal Khatri

आपका जन्म पूर्वाषाढा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु राशि में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल सिंह का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। धनु राशीय संबंधित जन्म प्रभाव की आकृति इस विषय की ओर इंगित करती है कि वास्तव में आपके जन्म का स्वरूप आपको सौभाग्यशाली होने का वरदान प्रदान करता है कि आप हर दृष्टिकोण से सुगमता पूर्वक अपने जीवन कक्ष में प्रवेश करके आप अपने जीवन में सभी प्रकार की सुख सुविधाओं से युक्त धन संपत्तिवान होकर, आनंदित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप अबाध गति से 28 वर्ष की आयु तक के सभी कार्यकलाप नियमित रखती रही तो यह सत्य है कि आपकी आयु की अवधि जीवन का सबसे भाग्यशाली समय प्रमाणित होगा। यह आपके जीवन का महत्वपूर्ण कदम होगा। आपके भाग्योदय के लिए यह समय उत्तम एवं उच्चस्तरीय धन, संपत्ति उपार्जन हेतु अनुकूल समय होगा। स्वाभाविक रूप से आपके लिए यह गर्व की बात होगी। परंतु कुछ समय के लिए आप अक्खड़पन दिखाने वाली होंगी। परंतु आप यदि कोई अनुचित कार्य न करें, शेष सामाजिक न्यायपालक बन कर पूर्णरूपेण पति एवं बच्चों से अच्छी प्रकार संबंधित होकर रहे तथा उनके लिए कुछ भी कोई भी त्याग करने हेतु तैयार रहे। आप सदैव अपने उन मित्रों के प्रति निष्ठावान रहती हो जो आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से किसी भी कल्याणकारी कार्य हेतु अर्थ दान करोगी।

आप व्यक्तिगत रूप से विश्वासी, सच्ची, ईमानदार, सबों पर सदैव विश्वास करने वाली तथा निष्कपट भाव से सबों पर विश्वास रखने वाली हैं। आप किसी भी सभा या सार्वजनिक स्थान पर सत्यभाषण करेंगी। जो अन्यो की अपेक्षा अरुचिकर नहीं होता है। आप असावधानी पूर्वक निष्पक्ष भाव से अपनी अप्रसन्नता की अभिव्यक्ति कर देती हैं। फलस्वरूप आप अपनी पवित्र अभिरुचि को सार्वजनिक कर देती हैं। परंतु आप जिनसे संबद्ध रहती हो, उन्हें अपने सिद्धांत के अनुसार महत्व प्रदान करती हो।

आप अपनी कुशाग्र, बुद्धिमत्ता एवं सैद्धांतानुसार अपनी कार्य योजना को कार्यान्वित कर अपनी योजना के प्रति अग्रिम रूप से कारवाई करती हैं। आप सच्ची भावना से कठिन कर्म हेतु प्रस्तुत रहती हैं। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कृत संकल्पित रहती हैं। आप आर्थिक लाभांश एवं सभी प्रकार के अभाव की पूर्ति हेतु आप कार्यान्वयन प्रस्तुत रहती हैं।

आप अपने स्वभाव के अनुरूप कार्य व्यवसाय का चयन कर सकती हैं। आप एक बार लेखन, व्यवसाय, संपादन कार्य, पुस्तक प्रकाशन का कार्य, कंपनी लॉ, राजनीति अथवा धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन कार्य से संबद्ध हो सकती हैं। अतः आप वैदेशिक लोगों से संबंध का विस्तार कर, दो बार वैदेशिक भ्रमण की व्यवस्था कर सकती हैं।

आपका किसी भी प्रकार से किसी भी विषय में यथा सट्टेबाजी आदि में आसक्त हो जाना आपके लिए अनर्थकारी प्रमाणित होगा।

आपके लिए निम्नांकित निर्देशों का अनुपालन करना उत्तम एवं समृद्धिकारक है।

आप साप्ताहिक दिनों में महत्वपूर्ण कार्य संपादन हेतु अनुकूल दिन मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक फलदायी एवं अंक 2, 7 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में लाभदायक रंग सफेद, क्रीम रंग, हरा, नारंगी, सूआपंखी एवं नीला रंग उपयुक्त है। परंतु रंग लाल, मोतिया एवं काला रंग सर्वथा अनुपयुक्त एवं अव्यवहारणीय है।

अंक ज्योतिष फल

Hardik khatri

आपका जन्म दिनांक 13 है। एक एवं तीन का योग 4 होने से आपका मूलांक चार होता है। अंक एक का स्वामी सूर्य, तीन का स्वामी गुरु तथा मूलांक 4 का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मतानुसार हर्षल होता है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके जीवन को प्रभावित करेंगे। सूर्य प्रभाव से आप अपने लक्ष्य को वेधने में सफल होंगे एवं जीवन में काफी ऊँचाईयाँ प्राप्त करेंगे। गुरु प्रभाववश आपके अन्दर बुद्धि चातुर्य अच्छा रहेगा। आप अपनी बुद्धि से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे तथा नाम भी प्राप्त करेंगे। हर्षल या राहु के प्रभाव द्वारा आपमें अच्छा साहस रहेगा, लेकिन जब कभी आप दुःसाहस करेंगे या दिखायेंगे तब आपको लाभ के साथ हानि की भी उपलब्धि होगी।

हर्षल ग्रह परिवर्तन का द्योतक है। अचानक सफलता, असफलता देता है। कभी-कभी यह ग्रह विस्फोटक स्थिति भी निर्मित करता है। अतः ऐसे कार्यों को जिनमें जोखिम या हानि की संभावना हो, उन्हें आपको सोच समझकर करना लाभप्रद रहेगा। वैसे सूर्य-गुरु के योग से साहस एवं धैर्य आपमें अच्छा रहेगा एवं जीवन में कई अवसरों पर आप अपने साहस एवं धैर्य का परिचय देंगे। आपकी शीघ्रातिशीघ्र कार्य संपादन करने की अभिलाषा रहेगी। कार्यों में रुकावट को आप बर्दास्त नहीं करेंगे और आपके सतत् प्रयत्न कार्य की सफलता में ही लगे रहेंगे।

Pranjal Khatri

आपका जन्म दिनांक आठ होने से आपका मूलांक आठ बनता है। मूलांक आठ का स्वामी शनिग्रह है। शनि के प्रभाव से आप अपने जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेंगी। व्यवधानों, कठिनाईयों से जूझते हुए सफलता प्राप्त करना आपकी प्रकृति में रहेगा। असफलताओं से आप घबड़ायेंगी नहीं। कभी कभी निराशा के भाव अवश्य आ जाया करेंगे। आलस्य आपका सबसे बड़ा शत्रु रहेगा और यही आलस्य आपकी असफलता का कारण रहेगा। अतः किसी भी कार्य को कल पर न टालें। जीवन में शनि ग्रह के प्रभाववश आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगी, जिससे आपको नाम, यश, कीर्ति, प्राप्त होगी। आपकी कार्यशैली को हर कोई समझ नहीं पायेगा, इससे आपके विरोधी भी उत्पन्न होंगे।

आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति कम रहेगी। इस कारण आपको कुछ लोग रूखा, शुष्क और कठोर हृदय समझेंगे। जबकि अन्दर से आप काफी भावुक एवं दयालु हृदय की होंगी। आप अधिकांश समय में अपने काम से ही मतलब रखेंगी एवं आपकी कोशिश रहेगी कि काम में ही लगी रहें। लेकिन आपके इस व्यवहार के कारण आपके आलोचक भी अधिक रहेंगे।

आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं श्रम में कभी पीछे नहीं हटेंगी। किसी भी कार्य में कितना भी श्रम, त्याग या बलिदान लगे आप पीछे नहीं हटेंगी। इसी कारण रुकावटों को पार करते हुये आप अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त करेंगी। शनि प्रभावी महिलाएँ

संधर्ष शील एवं परिश्रमी होती हैं एवं विधनों को पार करते हुये उन्नति करने के कारण इनको सफलता देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होती है।

Hardik khatri

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाले स्पष्ट वक्ता होंगे। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाले यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाले शूरवीर व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे। आपका जीवन चक्र एक राजा की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचार धारा पर निर्भीक चलेंगे। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी। एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगे। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगे। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगे, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

Pranjal Khatri

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्न के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।